Production of ingot and saleable steel and total import of steel

173. SHRI DINEN BHATTACHARYA: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) the total production of ingot and saleable steel last year; and

(b) the total import of steel during the same period?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI KARIA MUNDA): (a) The total production of ingot steel from the integrated steel plants in 1977-78 was 8.424 million tonnes. and of saleable steel 6.894 million tonnes.

(b) The total import of steel in 1977-78 amounted to 356.574 tonnes.

1979 में अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में भाग लेने वाले देश

174. **श्री दयाराम शाक्य** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जनवरी, 1979 के प्रथम सप्ताह में राजधानी में हुए अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में भाग लेने वाले देशों के नाम क्या हैं और टिकटों की बिक्री के परिणामस्वरूप देश को कितनी विदेशी मुद्रा की आय हुई ;

(ख) उपरोक्त समारोह में किन किन विषयों पर विचार हुआ और किन किन देशों ने भारतीय फिल्मों के आयात के प्रति रुचि दिखाई ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी) : (क) कुल 39 देशों (भारत सहित) ने 3 से 17 जनवरी, 1979 तक नई दिल्ली में हुए अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में भाग लिया था । टिकटों की बिक्री के रूप में विदेशी मुद्रा की आय होने का प्रश्न नहीं उठता, क्योंकि टिकटों को स्थानीय रूप से रुपयों में बेचा गया था ।

(ख) समारोह के दौरान विकासशील देशों में सिनेमा विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था । जिन देशों ने भारतीय फिल्मों के आयात में रुचि दिखाई थी उन में से कुछ के नाम ये हैं ईराक, मंगोलिया, चैकोस्लोवाकिया, पोलैंड, मारीशस, रूमानिया, पूर्तगाल, तनजानिया, पेरू, अमरीका, कनाडा, हंगरी, बेल्जियम और अल्जीरिया ।

उत्तर प्रदेश में डीजल का वितरण

175. **श्री दयाराम शाक्य** : क्या पट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश में किसानों को खेती के लिए डीजल तेल नहीं मिलता है क्योंकि डीजल टैंकर पैट्रोल पम्पों और ऐजेंसियों के पास रात के समय पहुंचते हैं और दूर रहने वाले किसान सारी रात पंक्ति में नहीं ठहर सकते और डीजल का वितरण रात को ही कर दिया जाता है;

(ख) क्या यह भी सच है कि मेरठ जिले में मवाना तहसील में खंड विकास अधिकारियों ने किसानों को डीजल परमिट जारी किये हैं परन्तु फिर भी ऐजेंसियों और पैट्रोल पम्पों द्वारा डीजल का वितरण रात के समय किये जाने के कारण उन को डीजल तेल नहीं मिल पाता; और

(ग) उपरोक्त समस्याओं का समाधान करने के लिये केन्द्र सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ?

पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) अधिकांश रूप से मिजोरम को डीजल दिन के समय नहीं दिया जाता है । परन्तु रेल टैंक वैगनों की सीमित उपलब्धता के कारण यह आवश्यक हो गया है कि देश के ऊपरी भागों में डिपों को टैंक लारियों द्वारा सप्लाई भेजी जाये और कुछ मामलों में यह लारियां अपने निर्धारित स्थानों पर देर से पहुंची थी ऐसे स्टाक का वितरण सामान्य रूप से दूसरे दिन ही किया जाता है । यदि किसान इस बात के लिए जोर नहीं देते कि डीजल का वितरण उसी समय ही किया जाये कुछ मामलों में जहां आवश्यकतायें अधिक हैं राज्य सरकारों के नागरिक पूर्ति अधिकारियों ने कई स्थानों पर किसानों को डीजल विक्रय के लिए कुछ कोटा प्रतिबन्ध लगाये हैं । कुछ अवसरों पर जिला अधिकारियों ने फुटकर बिक्री केन्द्रों पर अपने कर्मचारी लगाये हैं ताकि डीजल का समान वितरण सुनिश्चित हो ।

(ख) मवाना को इण्डियन आयल कारपोरेशन के मेरठ डिपों से पूर्ति की जाती है जो कि लगभग 30 कि. मी. की दूरी पर है और इस स्थल पर डीजल की सप्लाई सामान्यता दिन के समय ही की जाती है ।